

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा  
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-13 'काहिरा से गुज़रते हुए')  
(शेष अंतिम भाग)

पुस्तक - नवतरंग-8  
सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा आठवीं की पुस्तक नवतरंग-8 के पृष्ठानुपर लिखे पाठ-13 के शेष भाग को पढ़ेंगे।

बच्चो! गिजा के पिरामिड और स्फिंक्स काहिरा से नौ मील की दूरी पर हैं। यहाँ कुल मिलाकर 9 पिरामिड हैं- तीन बड़े और छह छोटे। काहिरा से बहुत दूरी पर पिरामिडों का रुक और समूह भी है जो बीस मील दूर प्राचीन शहर 'मेम्फिस' के निकट है। वहाँ मिस्र के प्राचीन राजाओं की मूर्तियाँ विद्यमान हैं।

काहिरा का प्राचीन वस्तुओं का संग्रहालय भी पिरामिडों से कम दिलचस्प नहीं है। इस संग्रहालय में मिस्र भर में मिली वस्तुएँ एकत्रित की गई हैं। इस संग्रहालय का सबसे आकर्षक हिस्सा वह है जहाँ तूतेनखामेन के मकबरे से मिली वस्तुएँ रखी गई हैं जो ऊपरी मिस्र के 'लक्सर' क्षेत्र में स्थित था। लेखक इन संग्रहालयों में मिस्रवासियों द्वारा 2000 ईसा पूर्व से भी पुरानी कला व सभ्यता को संचित देखकर आश्चर्यचकित रह गए। कला के नमूने आज भी ऐसे दिखाई देते हैं जैसे अभी-अभी बने हैं, और उस कलाकारी के साथ-साथ इनको संभालकर रखने की कला भी प्रभावित करती है जिसकी वजह से समय का उन पर कोई असर नहीं हुआ है। मिस्र की तुलना में भारत भी अपनी प्राचीन संस्कृति और सभ्यता पर गर्व कर सकता है किंतु यह तो स्वीकार करना ही पड़ेगा कि हम उन लोगों की भाँति अपनी कला और सभ्यता के नमूनों को संभाल पाने में असमर्थ हैं।  
(पृष्ठ-1)



कक्षा - आठवीं सुमन शर्मा  
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-13 'काहिरा से गुजरते हुए')

यदि भारत फिर से अपना अस्तित्व बनाना चाहता है तो भारत को भौतिक एवं आध्यात्मिक दोनों क्षेत्रों में उन्नति करनी होगी।

फिर से वर्णन पर आता हूँ। सुबह के समय सैर-सपाटा कर लेने के बाद दोपहर में हमने शहर के अंदर दर्शनीय स्थलों की सैर की। काहिरा में मस्जिद और मकबरों की भरमार है और बहुत-सा पुराना इतिहास इनमें दबा पड़ा है। प्रत्येक मस्जिद की अपनी सुंदरता और अपनी कहानी है। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि बाइबिल के संदर्भ वाले दृश्य यहाँ उपस्थित हैं, किंतु इनमें कितनी असलियत है, कहना कठिन है।

उदाहरण के लिए, विशाल 'सिटी डल' (काहिरा का प्राचीनतम किला) में गाइड ने मुझे एक बहुत गहरा कुआँ दिखाया और बताया कि वह 'जोजेफ' का किला है। काहिरा का सबसे आकर्षक स्थल 'सिटी डल' है, जहाँ से पूरे काहिरा शहर का दृश्य देखा जा सकता है। सुल्तान हसन का मकबरा, नीली मस्जिद, अल अजहर विश्वविद्यालय आदि कुछ दर्शनीय स्थल हैं जो पर्यटकों का ध्यान आकर्षित करते हैं। पुराने मिस्र को देख लेने के बाद आधुनिक मिस्र की ओर हमारा ध्यान आकर्षित होना स्वाभाविक था। आधुनिक काहिरा शहर सुंदर शहर है और व्यक्ति उसकी प्रशंसा किए बिना नहीं रह सकता।

काहिरा में पूरा दिन जो कि व्यस्त दिन था, व्यतीत करने के बाद लेखक गाड़ी से पोर्ट सईद के लिए रवाना हुए ताकि अपना जहाज पकड़ सकें। रात्रि 11 बजे हम अपने जहाज पर थे। रुक घंटे में वह चल पड़ा। मध्य सागर के प्रवेश में हमने फ्रांसीसी इंजीनियर लैसेप की मूर्ति देखी जिसने स्वेज नहर का निर्माण किया था। जल्द ही हम समुद्र के मध्य पहुँच गए। (पृष्ठ-2)



कक्षा - आठवीं

सुमन शर्मा

विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-13 'काहिरा से गुजरते हुए')

लहरों के बढ़ने के साथ-साथ पोर्ट सईद की रोशनी धीमी से धीमी होती चली गई।

सुबह के समय पिरामिडों की सैर करके लेखक ने शहर के अंदर के दर्शनीय स्थल देखे। काहिरा में मस्जिद और मकबरों की भरमार है। गाइड ने लेखक को काहिरा का प्राचीन किला 'सिटेल' में एक बहुत गहरा कुआँ दिखाया इसके अलावा सुलतान हसन का मकबरा, सिटेल, नीली मस्जिद, उल अजहर विश्वविद्यालय दिखाया। ये स्थल पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हैं। पुराने मिस्र को देखकर आधुनिक मिस्र की ओर ध्यान आकर्षित हुआ। आधुनिक काहिरा शहर भी सुंदर है।

काहिरा में पूरा दिन बिताने के बाद शाम को लेखक व अन्य साथी पोर्ट सईद रवाना हुए। मध्य सागर में उन्होंने इंजीनियर लैसेप जिन्होंने स्वेज नहर का निर्माण किया था, उसकी मूर्ति देखी थी। समुद्र के मध्य पहुँचकर पोर्ट सईद की रोशनी धीमी होती गई।

बच्चों! यह पाठ अब समाप्त हुआ। अब मैं आपकी गृहकार्य दूँगी।

गृहकार्य:-

सब बच्चे इस पाठ को पुनः पढ़ेंगे। इस पाठ के अंतर्गत आए शब्दार्थ अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-3)